Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

Original Article

आजमगढ़ मण्डल में ग्रामीण महिला जनसंख्या का वितरण प्रतिरुप: भौगोलिक अध्ययन

डॉ. बबिता सिंह[1], शिवाकान्त सिंह[2],डॉ. अभिषेक सिंह[3]

[1]भूगोल विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

[2]प्रोफेसर - विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

[3]महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन, गोलघर, गोरखपुर

Email: babitasingh1207@gmail.com

Manuscript ID:
JRD -2026-180221
ISSN: 2230-9578
Volume 18
Issue 2(A)
Pp. 111-116
February - 2026

Submitted: 17 Jan. 2026
Revised: 27 Jan. 2026
Accepted: 12 Feb. 2026
Published: 28 Feb. 2026

सारांश

जनसंख्या वितरण से मानव के धरातल पर स्थितिजन्य प्रारूप का बोध होता है। जनसंख्या वितरण में जनसंख्या के यथार्थ स्थल स्थिति प्रारूप पर ध्यान दिया जाता है। मानव के इस फैलाव या विस्तार के आधार पर रेखीय या प्रकीर्ण, जमघट या पूँजीभूत जनसंख्या वितरण प्रतिरूप उत्पन्न हो सकता है, जबकि जनसंख्या घनत्व का तात्पर्य जनसंख्या एवं धरातल के एक अनुपात से है। यह जनसंख्या जमाव की मात्रा का मापक है। इसे प्रति इकाई क्षेत्र पर व्यक्तियों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है। यह भूमि के प्रति इकाई क्षेत्र पर पड़ने वाले मानव के भार का मापक है। इसके आधार पर किसी भी क्षेत्र को जनसंख्या आधिक्य, आदर्शतम जनसंख्या एवं अल्प जनसंख्या क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है। स्पष्ट है कि जनसंख्या वितरण एवं घनत्व दोनों में अन्तर है, बिना जनसंख्या घनत्व के वितरण सम्बन्धी ज्ञान अपूर्ण है।

बीज शब्द : *ग्रामीण महिला जनसंख्या, जनसंख्या घनत्व, जनसंख्या वितरण*

प्रस्तावना

महिलाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है। विकासशील देशों में उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। ग्रामीण महिलाएं दुनिया भर में कृषि में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। वे परिवारों, समाजों और समुदायों की सार्थक सदस्य हैं, जो समाज की संरचना को दृढ़ता से प्रभावित करती हैं क्योंकि एक राष्ट्र के विकास में महिलाओं की भूमिका पुरुषों जितनी ही महत्वपूर्ण है। हमारे देश की सत्तर प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। उनमें से अधिकांश कृषि कार्यों पर निर्भर हैं। यही कारण है कि ग्रामीण महिलाएं घरेलू कामकाज और बच्चों की देखभाल के साथ–साथ खेती में भी मदद करती हैं। उल्लेखनीय है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में महिलाओं का योगदान केवल सत्रह प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत सैंतीस प्रतिशत के आधे से भी कम है। फिर भी, विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि श्रम में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो भारत की विकास दर दोहरे अंकों में होगी। इससे गरीबी तेजी से कम हो सकती है।"

भारत के कृषि क्षेत्र में कुल श्रम की 60 से 80 प्रतिशत हिस्सेदारी ग्रामीण महिलाओं की है। जबकि खाद्य एवं कृषि संगठन के आंकड़ों पर गौर करें तो कृषि क्षेत्र में कुल श्रम में ग्रामीण महिलाओं का योगदान 43 प्रतिशत है, वहीं कुछ विकसित देशों में यह आंकड़ा 70 से 80 प्रतिशत है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ओर से DRWA के नौ राज्यों में किए गए एक शोध से पता चलता है कि प्रमुख फसलों की पैदावार में महिलाओं की भागीदारी 75 प्रतिशत तक रही है। इतना ही नहीं, बागवानी में यह आंकड़ा 79 प्रतिशत और फसल कटाई के बाद के कार्यों में 51 प्रतिशत तक है। पशुपालन में महिलाओं की भागीदारी 58 प्रतिशत और मछली उत्पादन में 95 प्रतिशत तक है। यानी कहा जा सकता है कि विकासशील देशों में खेती का तकरीबन आधा काम महिलाओं द्वारा किया जाता है और इस मामले में भारत अपवाद नहीं है। फिर भी कृषि विकास के लिए रणनीतियां मुख्य रूप से पुरुषों को केंद्र में रख कर बनाई जाती हैं। बमुश्किल 05 फीसद संसाधन महिलाओं को ध्यान में रख कर खर्च किए जाते हैं और इस दिशा में कोशिशें भी नहीं होतीं। इससे कृषि उत्पादन को भी भारी नुकसान होता ळें महिलाओं के इन योगदानों को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र में उनके वितरण का अध्ययन समीचीन है।

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:
डॉ. बबिता सिंह, भूगोल विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

How to cite this article:
सिंह, . बबिता ., सिंह, . शिवाकान्त ., & सिंह, . अभिषेक . (2026). आजमगढ़ मण्डल में ग्रामीण महिला जनसंख्या का वितरण प्रतिरुप: भौगोलिक अध्ययन. Journal of Research & Development, 18(2(A)), 111–116. https://doi.org/10.5281/zenodo.18933918

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.18933918
OPEN ACCESS

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

"It is impossible to discuss distributioin of population without indieating that they are more in some places, reading to relatively higher densities and fewer in other leading to lower densities." (Trewartha, G.T. (1953)[1]

जनसंख्या के वितरण प्रतिरूप से ही परिलक्षित होता है कि मानव ने किस अंश तक भौगोलिक वातावरण से समायोजन किया है अथवा उसे छोड़ दिया है।[2] जनसंख्या भूगोल के अध्ययन में किसी स्थान विशेष की भूमि एवं अधिवासित जनसंख्या के परिज्ञान हेतु जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का ज्ञान आवश्यक होता है किसी स्थान की जनसंख्या पर उसके प्राकृतिक बनावट, खनिज, यातायात के साधन, मिट्टी, जल आदि का गहरा प्रभाव पड़ता है। साथ ही किसी स्थान की जनसंख्या और भूमि का सीधा सम्बन्ध होता है।[3] अतः किसी स्थान विशेष पर जनसंख्या का अधिक अथवा कम दबाव ज्ञात करने के लिए जनसंख्या वितरण का अध्ययन आवश्यक है। क्योंकि जनसंख्या समूहों के वे विशिष्ट प्रारूप स्पष्ट होते है जो औसत या सामान्य से भिन्न होते है। राष्ट्रीय औसत जनसंख्या का सही दिग्दर्शन नहीं कर पाता। अतः जनसंख्या वितरण के अध्ययन की आवश्यकता पड़ती है।[4] किसी स्थान, प्रदेश एवं राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में वहाँ की जनसंख्या की विशिष्टताओं, यथा– जनसंख्या वितरण, ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या प्रारूप, सामाजिक संरचना, जाति एवं धर्म आदि का विशिष्ट प्रभाव होता है।[5] किसी भी स्थान अथवा क्षेत्र में जनसंख्या के असमान वितरण एवं घनत्व पर कई तत्वों के सामुच्चयिक प्रभाव का परिणाम होता है।[6]

आजमगढ़ मण्डल अथवा अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले निम्न तत्व है।

1. प्राकृतिक तत्व एवं प्राकृतिक संसाधन – स्थिति, जलवायु, धरातलीय स्वरूप, जल, खनिज, मिट्टी, वन आदि।
2. जननांकिकीय कारक – जनसंख्या स्थानान्तरण, जन्मदर, मृत्युदर आदि।
3. मानवीय विशेषताएँ – सांस्कृतिक, कृषि, सिंचाई की सुविधा, उद्योग, परिवहन, आर्थिक एवं सामाजिक आदि।

किसी भी क्षेत्र में जनसंख्या वितरण की अपनी अलग–अलग विशेषताएँ है। आजमगढ़ मण्डल में जनसंख्या की सघनता मुख्य रूप से नगरीय क्षेत्र, यातायात की सुविधा, शिक्षण केन्द्र, व्यापारिक केन्द्र, उद्योग एवं मृदा में उपजाऊपन की शुलभता आदि पर निर्भर है। सम्पूर्ण अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वितरण की विषमता को मुख्यतः मानवीय एवं प्राकृतिक दशायें ही प्रभावित करती है। आधुनिक अवस्थापना तत्वों के आविर्भाव से पूर्व अध्ययन क्षेत्र के जनसंख्या वितरण में सांस्कृतिक कारकों का अधिक योगदान नहीं था। फलस्वरूप उर्वरक, उन्नतशील बीज, सिंचाई की सुलभता, औद्योगिक विकास, शिक्षा के प्रसार एवं परिवहन के समुचित साधनों की उपलब्धता से जनसंख्या के वितरण एवं घनत्व पर प्रभाव पड़ा है।

अध्ययन क्षेत्र :

आजमगढ़ मण्डल पूर्वी उत्तर प्रदेश के निचली गंगा–घाघरा दोआब में $25^0 38'$ से $26^0 27'$ उत्तरी अक्षांश तथा $82^0 42'$ से $84^0 39'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। इसकी आकृति लगभग त्रिभुजाकार है।

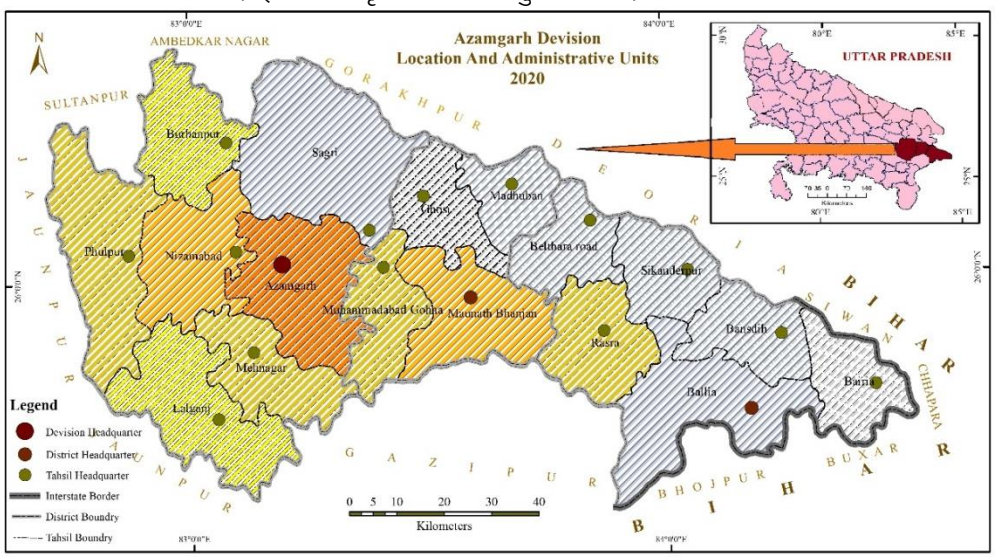

मानचित्र संख्या–1.1

जिसका शीर्ष पूर्व एवं आधार पश्चिम दिशा में है। इसकी पूर्व से पश्चिम लम्बाई 160 कि0मी0 एवं उत्तर से दक्षिण अधिकतम चौड़ाई 80 कि0मी0 है। इसके उत्तर में घाघरा नदी एवं उसके पार गोरखपुर एवं देवरिया जनपद (उ0प्र0), सीवान एवं छपरा (सारण) जनपद (बिहार राज्य) तथा दक्षिणी सीमा पर गंगा नदी एवं नदी के इस पार उत्तर प्रदेश राज्य का गाजीपुर जनपद एवं नदी के दूसरी तरफ बिहार राज्य का बक्सर एवं भोजपुर जनपद स्थित है। जबकि इसके पश्चिमी सीमा पर सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर एवं जौनपुर जनपद स्थित है। भारत के सर्वेयर जर्नल के अनुसार आजमगढ़ मण्डल का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 8924.75 वर्ग कि0मी0 है (मानचित्र संख्या 1.1)।

आजमगढ़ मण्डल में कुल महिला जनसंख्या का वितरण :

आजमगढ़ मण्डल प्रदेश एवं देश का एक सघन आबाद जनपद है। जनसंख्या के वितरण मानचित्र 1.1 का सूक्ष्म विश्लेषण करने पर निम्नलिखित तथ्य सामने आते है –

1. आजमगढ़ मण्डल की कुल महिला जनसंख्या 4987040 है जिसका 11.62 प्रतिशत भाग नगरीय एवं 88.38 प्रतिशत भाग ग्रामीण है। इस प्रकार यहाँ का नगरीय–ग्रामीण अनुपात 1.16 : 8.84 है (तालिका संख्या 1.1 एवं 1.2)।

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

2. यद्यपि अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या का वितरण लगभग समान है, लेकिन सूक्ष्म विश्लेषण करने से ज्ञात होता है कि इस वितरण में सूक्ष्म रूप से असमानता विद्यमान है। आजमगढ़ मण्डल में 17 तहसीलों में से 3 तहसीलों एवं नगरीय क्षेत्रों में क्षेत्रफल की तुलना में महिला जनसंख्या अधिक संकेन्द्रित है तथा 14 तहसीलों में क्षेत्रफल की तुलना में महिला जनसंख्या कम निवास करती है। पुनश्च अध्ययन क्षेत्र के 17.84 प्रतिशत भूभाग में यहाँ की 26.48 प्रतिशत जनसंख्या संकेन्द्रित है, जबकि 82.16 प्रतिशत भूभाग पर 73.52 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। जनसंख्या एवं क्षेत्र में व्याप्त यह असंतुलन जनसंख्या के असमान वितरण की ओर इंगित करता है।
3. अध्ययन क्षेत्र के 8 तहसीलों में महिला जनसंख्या पुरुषों से अधिक है। जबकि अध्ययन क्षेत्र में कुल महिला जनसंख्या का 49.85 प्रतिशत है। जो उत्तर प्रदेश की कुल महिला जनसंख्या 47.71 प्रतिशत से अधिक है। (तालिका संख्या 1.1)।

तालिका संख्या– 1.1
आजमगढ़ मण्डल : ग्रामीण महिला जनसंख्या वितरण –2011

क्र.संख्या	तहसील का नाम	कुल जनसंख्या	कुल महिला जनसंख्या	कुल जनसंख्या में महिला जनसंख्या का प्रतिशत
1.	बूढ़नपुर	459068	233375	50.84
2.	सगरी	901483	452954	50.28
3.	आजमगढ़	978799	481601	49.20
4.	निजामबाद	595715	302503	50.78
5.	फूलपुर	696513	354773	50.94
6.	लालगंज	581447	300655	51.71
7.	मेहनगर	400678	203048	50.68
8.	घोसी	467413	234693	50.21
9.	मधुबन	334116	168187	50.34
10.	मऊनाथ भंजन	910549	443711	48.73
11.	मुहम्मदाबाद गोहना	493890	244668	49.54
12.	बेल्थरारोड	392294	192276	49.01
13.	सिकन्दरपुर	392801	192400	48.98
14.	रसड़ा	548010	267507	48.81
15.	बलिया	979400	466844	47.67
16.	बाँसडीह	540524	262417	48.55
17.	बैरिया	386745	185428	47.95
	आजमगढ़ मण्डल	**10059655**	**4987040**	**49.58**
	उत्तर प्रदेश	**199812341**	**95331831**	**47.71**

Source: District Census Handbook , Azamgarh 2011

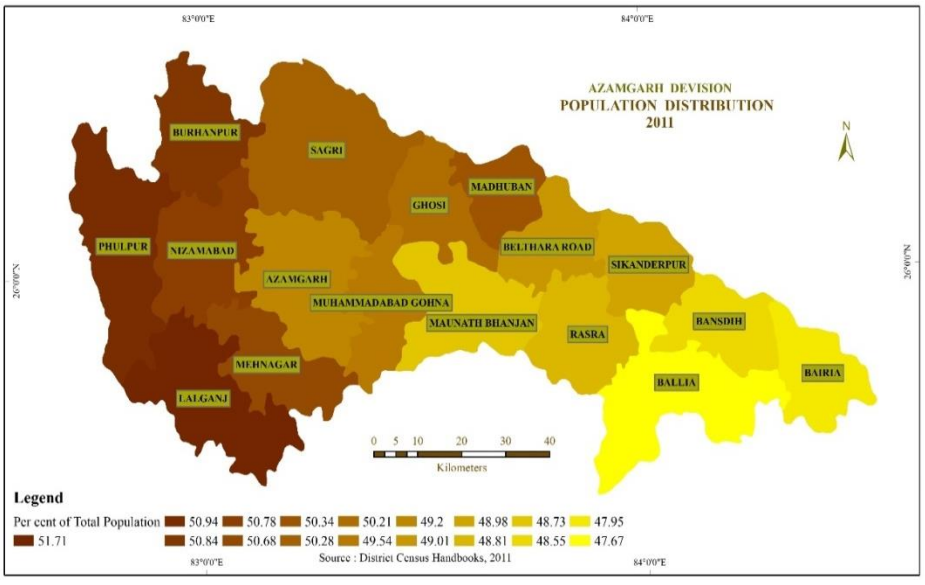

Fig-1-2

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

4. अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वितरण का यह प्रतिरूप नगरीय केन्द्रों द्वारा विखण्डित होता है। नगरीय केन्द्रों में जनसंख्या का संकेन्द्रण सर्वाधिक पाया जाता है और जैसे–जैसे हम नगर केन्द्र से बाहर की ओर जाते है जनसंख्या का वितरण क्रमशः कम होता जाता है।
5. मानचित्र संख्या 1.2 के विश्लेषण के स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र का पूर्वी भाग पश्चिमी भाग की अपेक्षा अधिक विरल है, जो बाढ़ क्षेत्र एवं जल प्लावन का अनुसरण करता है।
6. अध्ययन क्षेत्र में विभिन्न श्रेणी के कुल 7137 गाँव, 2250 ग्राम पंचायत, 533 न्यायपंचायत, 48 विकासखण्ड एवं 45 नगरीय केन्द्र स्थित हैं, जिनमें 4987040 महिला जनसंख्या निवास करती है। इस प्रकार यहाँ के गाँवों का औसत महिला जनसंख्या आकार 699 है, इसी प्रकार औसत ग्राम पंचायत 2216, न्याय पंचायत 9357, विकासखण्ड 103897 एवं नगर 110823 में महिला जनसंख्या निवासित है।
7. यहाँ के जनसंख्या वितरण में यातायातिक तन्त्र का प्रभाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। अध्ययन क्षेत्र में तीन राष्ट्रीय राजमार्ग तथा 6 राज्यमार्ग एवं कई महत्वपूर्ण जनपदीय सड़कों के अलावा 5 रेलवे लाइन का प्रभाव जनसंख्या की सघनता पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

तालिका संख्या– 1.2

आजमगढ़ मण्डल : जनसंख्या/स्थान सम्बन्ध –2011

क्र.सं.	तहसील का नाम	क्षेत्रफल वास्तविक	क्षेत्रफल प्रतिशत में	महिला जनसंख्या प्रतिशत में	विचलन
1.	बूढ़नपुर	496.43	5.56	4.59	–0.97
2.	सगरी	908.59	10.18	8.65	–1.53
3.	आजमगढ़	611.34	6.85	7.10	+0.25
4.	निजामबाद	533.74	5.98	5.74	–0.24
5.	फूलपुर	630.54	7.07	6.96	–0.11
6.	लालगंज	440.67	4.94	5.89	+0.95
7.	मेहनगर	549.88	6.16	3.93	–2.23
8.	घोसी	402.41	4.51	4.16	–0.35
9.	मधुबन	337.45	3.78	3.32	–0.46
10.	मऊनाथ भंजन	546.12	6.12	5.46	–0.66
11.	मुहम्मदाबाद गोहना	344.90	3.86	4.06	+0.20
12.	बेल्थरारोड	329.91	3.70	3.66	–0.04
13.	सिकन्दरपुर	439.68	4.93	3.63	–1.30
14.	रसड़ा	500.52	5.61	5.06	–0.55
15.	बलिया	785.53	8.80	8.04	–0.76
16.	बाँसडीह	407.88	4.57	4.40	–0.17
17.	बैरिया	378.31	4.24	3.72	–0.52
	आजमगढ़ मण्डल ग्रामीण	8729.06	97.81	88.38	–9.43
	नगरीय	195.69	2.19	11.62	+9.43
	योग	**8924.75**		**100.00**	

Source: District Census Handbook , Azamgarh 2011

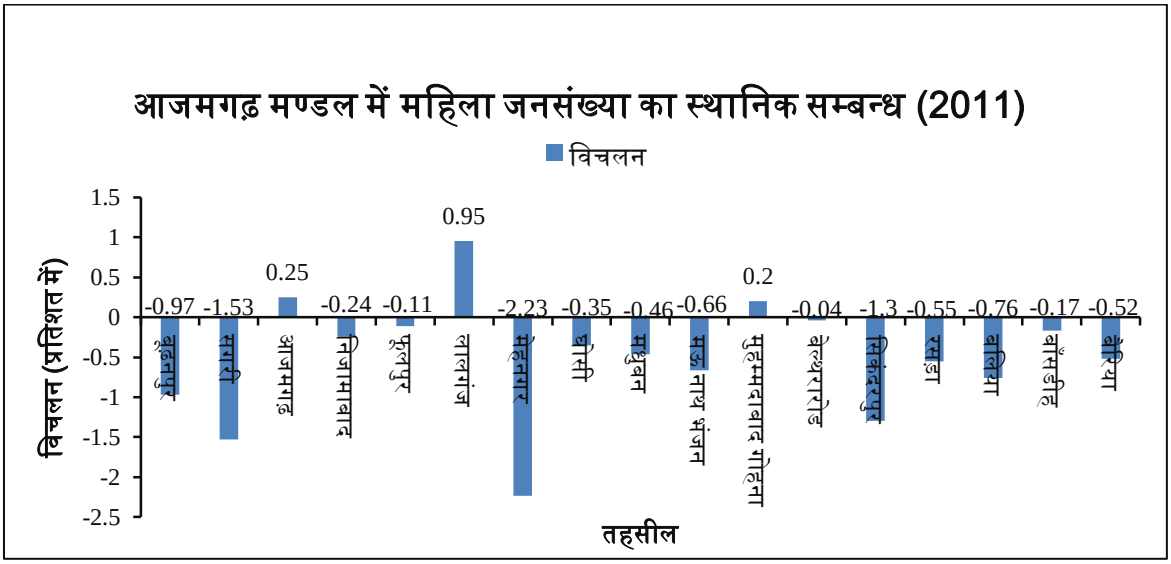

Fig. 1.3

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

कुल मिलाकर अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या का वितरण एवं संकेन्द्रण विभिन्न प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक कारकों द्वारा नियन्त्रित है, जिसके फलस्वरूप अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वितरण का वर्तमान भूदृश्य उभर कर प्रकाश में आया है।

कुल जनसंख्या में ग्रामीण महिला जनसंख्या का वितरण प्रतिरूप :

आजमगढ़ मण्डल क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रदेश के 3.70 प्रतिशत भू–भाग को धारण करता है जबकि कुल महिला जनसंख्या का 5.23 प्रतिशत यहाँ निवासित है। मानचित्र संख्या 1.2 से स्पष्ट है कि यहाँ महिला जनसंख्या का वितरण सर्वत्र एक समान नहीं है। आजमगढ़ मण्डल के पश्चिमी भाग में महिला जनसंख्या की अधिकता है कारण कि आजमगढ़ मण्डल की 8 तहसीलों में महिला जनसंख्या पुरुष जनसंख्या से अधिक है इसके अतिरिक्त अध्ययन क्षेत्र के आन्तरिक भागों में महिला जनसंख्या का वितरण मध्यम स्तर का पाया जाता है जबकि अध्ययन क्षेत्र के पूर्वी एवं दक्षिणी भाग में महिला जनसंख्या का वितरण विरल पाया जाता है।

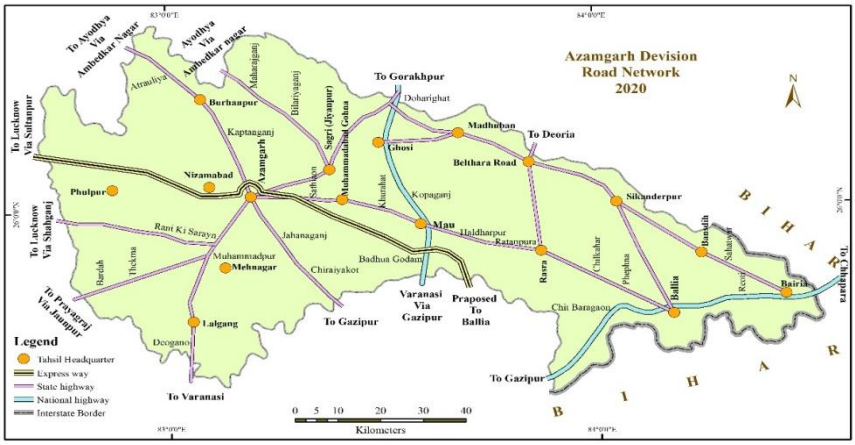

Fig. 1.4

आजमगढ़ मण्डल में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों में यातायात एवं परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि परिवहन मार्ग एवं जनसंख्या वितरण में घनिष्ठ सम्बन्ध होता है। यदि आजमगढ़ मण्डल में जनसंख्या वितरण मानचित्र संख्या 1.2 को और परिवहन मार्ग के मानचित्र संख्या 1.4 को एक दूसरे पर अध्यारोपित कर दिया जाय तो हम देखते है कि महिला जनसंख्या वितरण पर परिवहन मार्ग का स्पष्ट प्रभाव परिलक्षित होता है। परिवहन मार्ग के आस–पास महिला जनसंख्या के वितरण का एक दूसरा कारण यह भी है कि प्रत्येक माता–पिता अपनी बच्ची के विवाह में भी परिवहन मार्ग का अधिक से अधिक ध्यान रखता है। अध्ययन क्षेत्र में महिला जनसंख्या को नगर एवं बाजार केन्द्र भी प्रभावित करते है। अध्ययन क्षेत्र में इन केन्द्रों के आस–पास महिला जनसंख्या का वितरण सघन पाया जाता है। कारण है कि इन केन्द्रों पर प्रशासनिक सुरक्षा के साथ–साथ अन्य सुविधाएँ उपलब्ध रहती है। अध्ययन क्षेत्र को महिला जनसंख्या की दृष्टि से निम्न भागों में विभक्त किया जा सकता है।

सघन बसाव के क्षेत्र : इसके अन्तर्गत निम्न क्षेत्र को सम्मिलित किया जा सकता है –

1. आजमगढ़–बूढ़नपुर–अतरौलिया क्षेत्र
2. बिलरियागंज–सगरी–लाटघाट क्षेत्र
3. फूलपुर–सरायमीर–पवई क्षेत्र
4. मार्टिनगंज–ठेकमा–लालगंज क्षेत्र
5. निजामबाद–मुहम्मदपुर–रानी की सराय–मंगरावा क्षेत्र
6. मेहनगर–तरवां–खरिहानी क्षेत्र
7. कोपागंज–घोसी–दोहरीघाट क्षेत्र
8. मधुबन–दुबारी–बेलथरारोड क्षेत्र
9. मुबारकपुर–सठियाँव–जहानागंज क्षेत्र
10. मऊनाथ भंजन–रसड़ा–बलिया क्षेत्र

इन सभी क्षेत्रों में सघन महिला जनसंख्या पाये जाने का मुख्य कारण आवागमन के साधन जैसे–रेल एवं सड़क मार्ग की सुविधा, बाजार केन्द्र, नगरीय केन्द्र से निकटता, कृषि योग्य भूमि एवं सिंचाई के साधनों की उपलब्धता तथा शिक्षण, स्वास्थ्य, नागरिक सुरक्षा केन्द्रों की अवस्थिति है। इन क्षेत्रों में रेल एवं सड़क मार्गों के दोनों ओर जनसंख्या का सघन बसाव है।

सामान्य बसाव के क्षेत्र : इस क्षेत्र के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के निम्न भागों को सम्मिलित किया जाता है –

1. मुहम्मदाबाद गोहना–मऊनाथ भंजन–परदहा क्षेत्र
2. रसड़ा–नगरा–सिकन्दरपुर क्षेत्र
3. बाँसडीह–मनियर–खेजुरी क्षेत्र
4. चिलकहर–कुरेजी–पचखोरा क्षेत्र

इन क्षेत्रों में महिला जनसंख्या का सामान्य बसाव देखने को मिलता है। इस क्षेत्र में महिला जनसंख्या के सामान्य बसाव का मुख्य कारण आन्तरिक भागों में नदी, नालों, तालों में जल जमाव तथा कृषि योग्य भूमि की सामान्य स्थिति है। जिसके कारण

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-2(A)| February - 2026

इन क्षेत्रों में महिला जनसंख्या का वितरण सामान्य है। इन क्षेत्रों में भी नगरीय केन्द्रों के आस–पास जनसंख्या जमाव देखने को मिलता है। जबकि कृषि की उपलब्धता वाले भागों में जनसंख्या सघन बसाव की ओर उन्मुख है।

विरल बसाव के क्षेत्र : इस क्षेत्र के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के पूर्वी भाग को सम्मिलित किया जा सकता है तथा इसके अतिरिक्त निम्न क्षेत्र इस वर्ग के अन्तर्गत रखे जा सकते है–

1. बलिया–हल्दी–बैरिया–मुरली छपरा क्षेत्र
2. फेफना–नरही–सोहाव क्षेत्र
3. बलिया–बयासी–नौरंग क्षेत्र
4. गड़वार–हनुमानगंज–बलिया क्षेत्र
5. सहतवार–रेवती–लालगंज–रानीगंज क्षेत्र
6. बेरूआरबारी–सुरनपुरा–करनई क्षेत्र
7. सुरहाताल क्षेत्र
8. बेल्थरारोड–बकुलहा तटबन्ध का उत्तरी क्षेत्र

इन क्षेत्रों में महिला जनसंख्या का विरल बसाव पाया जाता है, कारण कि यह क्षेत्र गंगा नदी एवं घाघरा नदी के बाढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत एवं सुरहाताल, दहताल, दह मुड़ियारी, नरजा ताल के जलप्लावन से प्रत्येक वर्ष प्रभावित रहता है साथ ही रेतीली एवं ऊसर भूमि की अधिकता के कारण महिला जनसंख्या का विरल बसाव देखने को मिलता है। दूसरा कारण यह भी है कि इन क्षेत्रों के महिलाएँ नगरीय केन्द्रों की तरफ पलायन कर गयी है क्योंकि इन क्षेत्रों में अवस्थापनात्मक सुविधाओं का अभी भी समुचित विकास नहीं हुआ है इसलिए लोग अपने परिवार को नगरों में स्थानान्तरित कर दिये है।

निर्ष्कष

इस प्रकार आजमगढ़ मण्डल में ग्रामीण महिला जनसंख्या के वितरण में व्यापक भिन्नता देखने को मिलती है। यहाँ पश्चिम से पूर्व कि तरफ क्रमशः ग्रामीण महिला जनसंख्या का वितरण विरल पाया गया है। यहाँ सर्वाधिक ग्रामीण महिला जनसंख्या का वितरण लालगंज, फूलपुर एवं बूढनपुर तहसीलों में पाया गया है, जिसका प्रमुख कारण शिक्षा, जन–जागरुकता, लिंग परीक्षण एवं कन्या भ्रूण हत्या में कमी है। जबकि सबसे कम ग्रामीण महिला जनसंख्या का वितरण बलिया, बैरिया एवं बाँसडीह तहसीलों में पाया गया है। जिसका प्रमुख कारण शिक्षा की कमी, जन–जागरुकता की कमी, लिंग परीक्षण एवं कन्या भ्रूण हत्या में वृद्धि होना है जिसे रोक कर क्षेत्र की महिला जनसंख्या के वितरण में संतुलन स्थापित किया जा सकता है।

References

1. Trewartha, G.T. (1953) : A Case for Population Geography, A.A.A.G. Vol. 43, PP.71-97.
2. Islam, Mohd. (2019) : “Patterns of Urbanization and Socio-Economic Devlopment in Ballia district” Ayusman Publication House, Delhi, P.186
3. Lal Hira, (1992) : Jansankhya Bhoogol : Vashundhara Prakashan, Gorakhpur, PP.29-71
4. Trewartha, G.T. (1969) : A Geography of Population world Patterns, John Wiley and Sons, New Yark, P.54
5. Desai, P.B. (1975) : A Survey of Research in Demography, Pouplar Prakashan, Bombay.
6. Ojha Raghunath (1983) : “Pouplation Geography” Pratibha Prakashan, Kanpur, P.84